हृदय और धड़कन

वर्ष-4, अंक-45, सितम्बर 20, 2013

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

Price Rs. 5/-

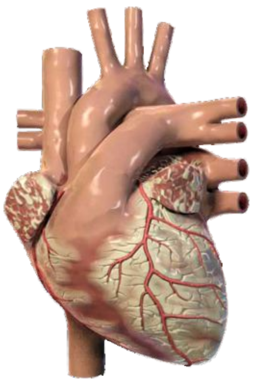

कार्डियोलॉजिस्ट	
डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922

कार्डियक सर्जन	
डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन	
डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502

वास्क्युलर और एन्डोवास्क्युलर सर्जन	
डॉ. सृजल शाह	+91-91377 88088

कार्डियक एनेस्थेटिस्ट	
डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट	
डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट	
डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट	
डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666

लकवा (स्ट्रोक) - इलाज की आशा

जैसे हृदय की धमनियां संकरी होने से या रुक जाने से हृदयरोग का हमला आता है, वैसे ही केरोटिड (गर्दन की) धमनी अथवा मस्तिष्क की छोटी धमनियां (Capillaries) संकरी होने से लकवा हो जाता है दोनो स्थितियों में धमनिया संकरी या रुक जाने का कारण समान ही है। यानि कि एथेरोस्कलेरोसिस (चरबी की पपड़ी जमना)। इसलिए इन दोनों रोगो के निवारण व इलाज में साम्य होना स्वाभाविक ही है। मस्तिष्क में रक्तस्त्राव (Hemorrhage) होने से भी लकवा हो सकता है।

जिस तरह हृदय की रुकी हुई धमनियों को कार्डियाक कॅथेटराइजेशन के द्वारा खोला जा सकता है, उसी प्रकार रुकी हुई कॅरोटिड धमनियों को भी खोला जा सकता है। हृदयरोग विशेषज्ञ, न्यूरो-फिजिशियन और रेडियोलोजिस्ट मिलकर एक्यूट स्ट्रोक ट्रीटमेन्ट टीम बनाकर एक्यूट सेरेब्रो - वेस्क्युलर स्ट्रोक का इलाज करते हैं।

इस प्रकार लकवा भले ही पूर्णतया न्यूरोलोजी का विषय हो परन्तु हृदयरोग विशेषज्ञ भी उनकी रक्तवाहिनी कॅथेटराइजेशन की कुशलता के कारण अधिक से अधिक संख्या में स्ट्रोक मेनेजमेन्ट में

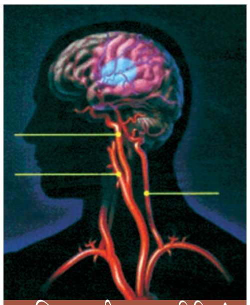

मस्तिष्क की रक्तवाहिनियां

जुड़ते जा रहे हैं। दुनियाभर में मृत्यु के कारणों में सबसे मुख्य कारणों में लकवा तीसरे नम्बर पर आता है। दुर्भाग्य से भारत में भी यह रोग बढ़ रहा है। लकवे का शीघ्र निदान व इलाज करने से इससे बचा जा सकता है, और लकवे के बाद की जिंदगी ज्यादा अच्छी तरह जीने का मौका मिलता है।

लकवे के रोगी अच्छा होने की उम्मीद निश्चित रूप से रख सकते हैं।

लकवा साध्य है

कई वर्षों तक माना जाता रहा था कि लकवा ऐसी बीमारी है जो अचानक हो जाती है, और उसका कोई भी इलाज संभव नहीं है परंतु अब समय बदल गया है। अब लकवे वाले रोगियों की बिमारी साध्य (Curable) है यह सोचना चाहिए। स्ट्रोक के रोगी का इलाज ईसके लक्षण शुरु होने के ६ घंटे के अंदर करने में आए, तो उसके पूर्णतया ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है।

हृदयरोग के हमले में समय जितना महत्त्वपूर्ण है, उससे अधिक महत्त्वपूर्ण लकवे में है, क्योंकि मस्तिष्क और ज्ञानतंतु को हृदय के स्नायुओं जितने समय रक्त के बिना नहीं चल पाते।

लकवे में क्या किया जाता है?

दवाएं, हृदयरोग विशेषज्ञ या रेडियोलोजिस्ट के अतिकुशल कार्य के कारण लकवे के कई रोगी जी सकते हैं और ज्यादा अच्छा जीवन भी जी सकते हैं। लक्षण शुरु होने के ३ घंटे के अन्दर इलाज शुरु होने पर श्रेष्ठ परिणाम पाए जा सकते हैं।

लकवे की देखभाल में तीन अत्यन्त महत्त्वपूर्ण बातें

(१) शीघ्र प्रतिक्रिया समय : लकवा रक्त की उचित मात्रा के अभाव में हो (जमे हुए रक्त या जमे हुए रक्त की गांठे जो मस्तिष्क की धमनी में अवरोध पैदा करती है) या कि रक्तस्राव (मस्तिष्क की धमनी फट जाने से) के कारण हुआ हो, उसका निदान जल्द से जल्द किया जाना चाहिए। शीघ्रता से ब्लड टेस्ट, फिर सी.टी.स्केन, फिर आई.सी.यु., फिर कॅथलेब और फिर कुशल विशेषज्ञों से इलाज करवाने में ३० मिनट से अधिक समय नहीं लगना चाहिए। लकवे में की जाने वाली आपातकालीन जांच हैं स्पायरल सी.टी. स्केन, केरोटिड डोप्लर, इकोकार्डियोग्राम, सोनोग्राफी (रक्त का प्रवाह जानने के लिए) और जरूरत पड़ने पर केरोटिड या सेरेब्रल एन्जियोग्राफी।

अंकुश में रखे जा सकने वाले खतरनाक तत्व
उच्च रक्तचाप
डायबिटीज मेलाइटिस
रक्त में चरबी की अधिक मात्रा
शारीरिक निष्क्रियता
मोटापा और अधिक वजन
तम्बाकु का सेवन

अंकुश में नहीं रखे जा सकने वाले खतरनाक तत्व
उम्र... जितनी ज्यादा उतना खतरा
पुरुषो में अधिक खतरा
जाति : भारतीय प्रजा को अधिक खतरा
हृदयरोग का पारिवारिक इतिहास (Hereditary)

९० प्रतिशत बंद केरोटिड धमनी

गुब्बारा डाल कर केरोटिड धमनी चौड़ी करने की प्रक्रिया

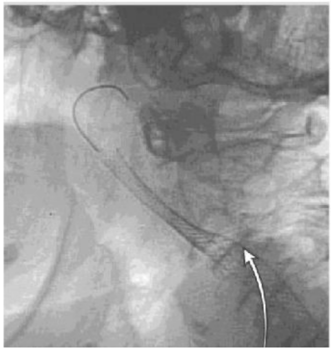
स्टेन्ट रखा जाता है

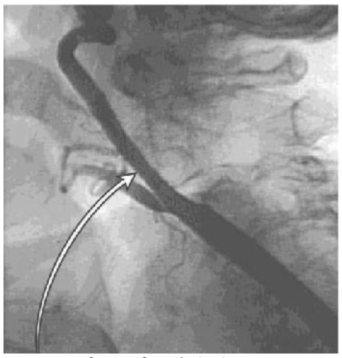
पूरी खुली हुई केरोटिड धमनी में से बहता हुआ रक्त

(२) लकवे की देखभाल में जो धमनी रुक गई हो उसमें जमे हुए रक्त को पिघलाने के लिए दवा दिए जाने का समावेश होता है। बाद में रुकी हुई केरोटिड धमनी को खोलने के लिए केरोटिड धमनी की एन्जियोप्लास्टी या ऑपरेशन की भी जरूरत पड़ सकती है।

हृदय की तरह केरोटिड धमनी में भी एन्जियोग्राफी व एन्जियोप्लास्टी होती है

(३) लकवाग्रस्त रोगी को न्यूरोलोजिस्ट और फिजिशियन की सलाह लेने का विस्तृत कार्यक्रम और उसके बारे में समझाया जाता है तथा सामान्य, रोजाना व्यवहार का पुनःप्रशिक्षण भी दिया जाता है। मार्गदर्शन और प्राथमिक जानकारी दी जाती है।

दूसरे अंगों में एन्जायना

हृदय और मस्तिष्क की तरह ही शरीर के अन्य अंग भी पपड़ी जमने (एथेरोस्कलेरोसिस) से संकरी हुई धमनियों के कारण रक्त के कम व धीमे प्रवाह का भोग बनते हैं।

जिस तरह रक्तप्रवाह बंद होने से हृदयरोग का हमला होता है, और मस्तिष्क में रक्तप्रवाह बंद होने से लकवा होता है,उसी तरह हाथ पैर में रक्त का प्रवाह बंद होने से उस अंग में तेज दर्द उठता है (इसे क्लॉडिकेशन कहते हैं), या किडनी बंद पड़ जाती है। हाथ पैर में रक्त की उचित मात्रा नहीं पहुंचने पर गेंग्रीन हो सकता है।

किडनी में एन्जियोप्लास्टी

किडनी में रक्त की कमी के कारण किडनी के गंभीर रोग हो सकते हैं। किडनी अपने शरीर का इतना महत्त्वपूर्ण अंग है कि अगर उसमें रक्त की कम मात्रा पहुंचे तो अपने शरीर के रक्त का दबाव बढ़ जाता है। इस प्रकार संकरी हुई किडनी की

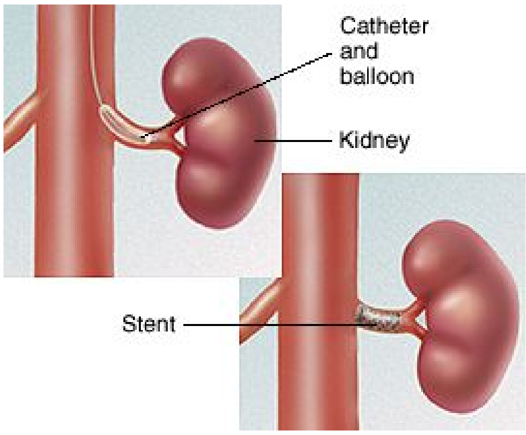

धमनी दुगना खतरा पैदा करती है, किडनी का बंद हो जाना और रक्त का बढ़ा हुआ दबाव। ऐसी स्थिति में किडनी की एन्जियोप्लास्टी के द्वारा उसको उचित मात्रा में रक्त पहुंचाया जाना चाहिए।

हाथ पैर का एन्जायना : क्लॉडिकेशन

किडनी की तरह ही हाथ - पैर में भी एन्जायना हो सकता है, परंतु इसको क्लॉडिकेशन कहा जाता है।

क्लॉडिकेशन में कठिनाई, तनाव, दर्द, अति संवेदनशीलता तथा भारीपन का एहसास होता है। पिंडलियों में, कूल्हे में, और कभी कभी कसरत करते समय अथवा चलते समय हो सकता है। आराम करने पर दर्द खत्म हो जाता है। पर हाथ पैर में पहुचने वाले रक्त में बहुत कमी आ जाए तो आराम करते समय भी क्लॉडिकेशन का दर्द महसूस होता है।

चित्र में दो जगह संकरी हुई महाधमनी (शरीर की सबसे बड़ी धमनी) दिखाई गई है। एन्जियोप्लास्टी करने के बाद और स्टेन्ट रखने के बाद दोनो जगह चौड़ी बनी हुई दिखाई गई है।

दवाएं, एन्जियोप्लास्टी और ऑपरेशन इन अंगो में रक्त के अयोग्य सर्क्युलेशन का इलाज कर सकते हैं।

९० प्रतिशत बंद

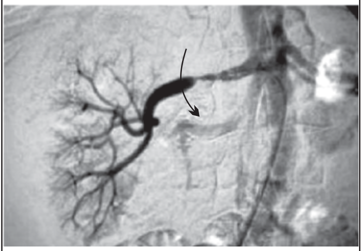

हृदय की तरह किडनी की धमनी भी बंद हो सकती है

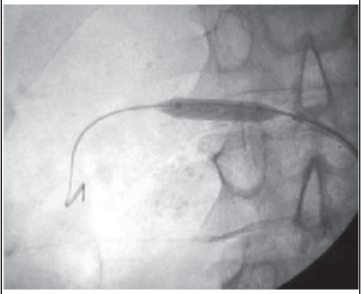

एन्जियोप्लास्टी करके किडनी की धमनी को गुब्बारे के द्वारा खोला जाता है

एन्जियोप्लास्टी के बाद पूर्ण रूप से खुली धमनी

किडनी की एन्जियोप्लास्टी

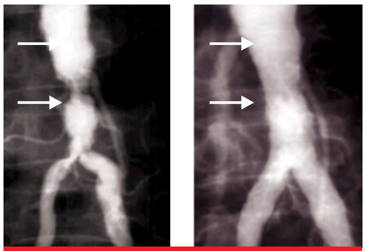

संकुचित एओर्टा गुब्बारे की सहायता से खोली जाती है

हृदय की जन्मजात कमियां

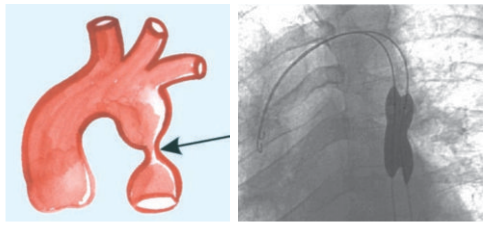

एओर्टा का जन्मजात संकुचन जो डबल गुब्बारे की मदद से चौड़ा किया जाता है

जन्मजात कमियां का मतलब है कि किसी किसी को जन्म के समय से ही हृदय में कमी होती है। विस्तार पूर्वक कहें तो जन्म के समय से ही कई लोगो के हृदय के अलग अलग कक्ष के बीच में नहीं होने चाहिए ऐसे छेद होते हैं, या उनकी महाधमनी और पल्मोनरी धमनी के बीच में असाधारण जोड़ हो, कभी महाधमनी संकरी होती है या रक्तवाहिनियों का जोड़ उल्टा रहता है जैसी कमिया होती है। साधारण स्वस्थ हृदय में भी हृदय के कक्षो की दीवारों के बीच में छेद होते हैं, जो हृदय के एक कक्ष में से दूसरे कक्ष में रक्त पहुंचाने में सहायक होते हैं। यह छेद अपनी तंदरुस्ती के लिए आवश्यक होते हैं।

टी.ए.एफ.

ट्रेट्रोलोजी ऑफ फेलोट, नाम के इस रोग में हृदय में ४ जन्मजात कमियां होती हैं।

पेटेन्ट डक्ट्स आर्टेरीओसस

मतलब जन्म से ही एओर्टा और पल्मोनरी धमनी के बीच में रक्त का भ्रमण करने वाली धमनी रहती है। इन्टरवेन्शन या ऑपरेशन से यहां एक कोइल रखकर इसका इलाज किया जा सकता है। संक्षेप में इसे पी.डी.ए. कहते हैं।

हृदय की जन्मजात कमियों के कई किस्सो में किसी प्रकार के विशिष्ट लक्षण नहीं दिखते हैं, उनका कभी निदान नहीं होता और उनको कभी भी इलाज की जरूरत नहीं पड़ती।

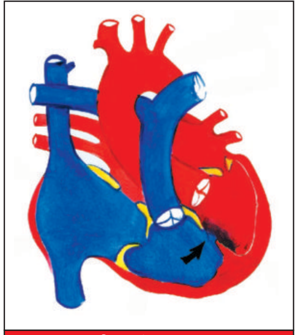

टी.ओ.एफ.

हृदय में जन्मजात कमियों के लिए किस तरह के इलाज उपलब्ध हैं?

कई चुने हुए रोगियों की जांध की धमनी में २ मि.मि. का केथेटर डाल कर ऑपरेशन (Interventional Procedure) करने से कर्णको के बीच की दीवार की कमी का निराकरण हो जाता है। अधिक नाजुक किस्सों में हृदय खोलकर ऑपरेशन (Open Heart Surgery) करना पड़ता है।

जन्मजात हृदयरोग की बात शब्दों से ज्यादा अच्छी तरह यहां के संलग्न चित्र समझा सकेंगे।

हृदय की दीवारों में जन्मजात छेद

हृदय की जन्मजात कमियां रक्त को एक कक्ष से दूसरे कक्ष में जाते हुए प्रवाह का गलत जोड़ बनाती है। इसके परिणाम स्वरूप शुद्ध (ऑक्सीजन वाला) रक्त और अशुद्ध (ऑक्सीजन बिना का) रक्त एक दूसरे के साथ मिल जाते हैं। इसे 'शन्ट' कहते हैं। ऐसा होने पर रोगी के अवयवों को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन वाला रक्त नहीं मिल पाता है।

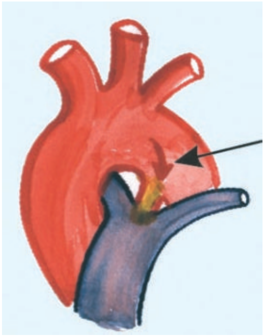

इन्टरवेन्शन करके यह खुली धमनी एक खास प्रकार की कोइल से बंद की जाती है दांइ तरफ इस ऑपरेशन के फोटो हैं

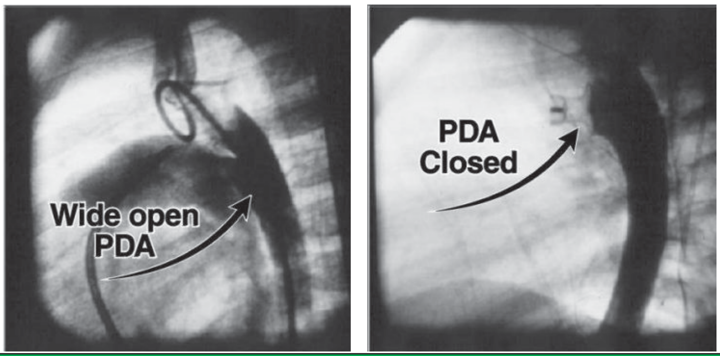

पी.डी.ए. में महाधमनी व पल्मोनरी धमनी के बीच में एक खुली धमनी होती है

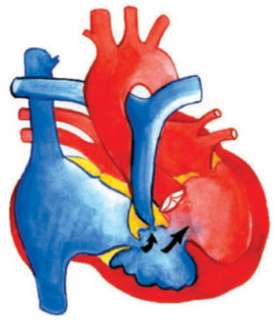

क्षेपको के बीच में
इस तरह जन्मजात
छेद हो सकते हैं, जिन्हे
ऑपरेशन या इन्टरवेन्शन
से सुधारा जा सकता है

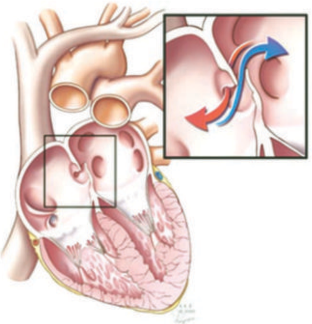

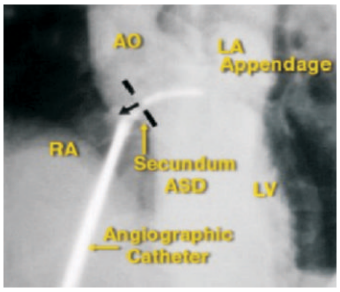

कर्णकों के बीच में जन्मजात छेद अलग अलग डिवाइस से सुधारा जा सकता है

कर्णको व क्षेपकों के बीच का छेद इस जाली से बंद किया जाता है इसे एमप्लान्टर डिवाइस कहते हैं

हृदय की यह कमी दो कर्णकों के बीच में है या दो क्षेपको के बीच में है, इसके आधार पर इसे कर्णको के बीच की दीवार में खराबी (Atrial Septal Defect) अथवा दो क्षेपकों की दीवालो के बीच की खराबी (Ventricular Septal Defect) कहते हैं।

एम्प्लेटजर डिवाइस एक ऐसी जाली है जिसे जांघ में रखे केथेटर के द्वारा हृदय में जन्मजात ए.एस.डी. या वी.एस.डी. तक पहुंचा कर वहां एक छत्री की तरह फुलाया जाता है, और छेद को बंद किया जाता है।

सौजन्य ‘दिल से’ - लेखक : डॉ. केयूर परीख

एन्डोवास्क्युलर पेरीफेरल वर्कशोप

सीम्स और अग्रणी अंतराष्ट्रीय टीम द्वारा

पिछले कुछ सालों में सीम्स में भारी मात्रा में केरोटीड ईन्टरवेन्शन के साथ अनेक एन्डोवास्क्युलर केस किये है ।

जनवरी 9-10, 2014

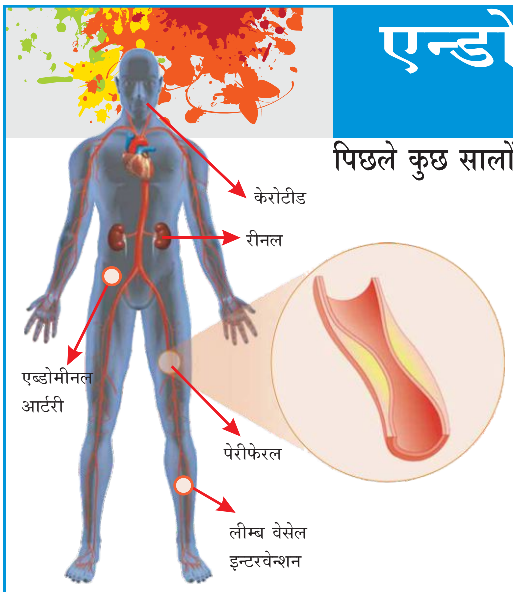

जो मरीज़ निम्नलिखित समस्या से पीड़ित है :

- केरोटीड आर्टरी स्टेनोसीस
- रेनल आर्टरी स्टेनोसीस
- एक्युट लिम्ब ईस्कीमिया
- क्रीटीकल लीम्ब ईस्कीमयि
- वेरीकोज़ वेईन्स
- डायालिसीस एक्सेस प्रक्रिया
- पल्मोनरी एम्बोलीजम
- थोरासीक आउटलेट सिन्ड्रोम
- युटेरीन फाईब्रोईड्स
- वास्क्युलर माल्फोर्मेशन
- वीनस ईनसफीसीयन्सी और वीनस अल्सर
- क्लोडिकेशन
- एओरटोलिआक ओक्लुझीव डिसीज
- फीमोरोपोप्लीटल डिसीज
- ब्रेकियोसेफालिक आर्टीरीयल डिसीज
- वीनस थ्रोम्बोएम्बोलिक डिसीज
- थोरासिक एब्डोमिनल एरोटीक एन्युरीजम
- मेसेन्टेरिक डिसीज़
- केथेटर आधारीत ईन्टरवेन्शनल फेील्योर
- हिमोडायालिसीस एक्सेस के लिए
- ईन्फ्रापोप्लीटील पेरिफेरल आर्टीरीयल डिसीज़
- ईन्ट्राक्रेनियल आर्टीरीयल स्टेनोटीक डिसीज़
- बर्टीब्रल आर्टीरीयल डीसीज़

मरीजो को निम्नलिखित निःशुल्क सेवाएँ दी जायेगी :
1. कन्सल्टैशन 2. एबीआई
3. डॉप्लर (आर्टीरीयल और वेरीकोज़ वेईन्स - यदि सूचित किया जाए तो)

ज्यादा जानकारी के लिये प्रथम पेज पर दीये गये सीम्स के कार्डियोलॉजीस्ट या वास्क्युलर सर्जन को फॉन करे ।

*संबंधित मरीजों के लिए रोजाना जाँच केम्प अक्टूबर 1, 2013 से सीम्स अस्पातल में शुरु किया गया है। समय दोपहर 2 से सांय 6 बजे तक

अपोइन्टमेन्ट लेना आवश्यक है । फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008

Organized by CIMS® Care Institute of Medical Sciences

सीम्स अस्पताल: शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.

सीम्स जॉइन्ट रीप्लेसमेन्ट डिपार्टमेन्ट द्वारा

सीम्स में नियमित चेकअप के लिये आने वाले मरीज या उसके संबंधी के लिये जॉइन्ट रीप्लेसमेन्ट विशेषज्ञ द्वारा

निःशुल्क जोइन्ट रीप्लेसमेन्ट परामर्श

जोइन्ट रीप्लेसमेन्ट सर्जरी ₹ 1.25 लाख से* शुरु

*शर्ते लागु

सीम्स अस्पताल में जोइन्ट रीप्लेसमेन्ट विशेषज्ञ द्वारा निःशुल्क परामर्श का लाभ उठाये

यह कटिंग साथ लाना आवश्यक है ।

डॉ. चिराग पटेल	(मो) +91-98250 24473	सुबह ११ से ३ बजे तक (11 am-3 pm)	गुरुवार और शनिवार
डॉ. अमीर संघवी	(मो) +91-98250 66013	सुबह ११ से ३ बजे तक (11 am-3 pm)	मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार
डॉ. अतीत शर्मा	(मो) +91-98240 61766	सुबह ११ से ३ बजे तक (11 am-3 pm)	बुधवार और शुक्रवार
डॉ. हेमांग अंबाणी	(मो) +91-98250 20120	सुबह ११ से ३ बजे तक (11 am-3 pm)	सोमवार, गुरुवार और शनिवार

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
Joint Replacement Department

अपोईन्टमेन्ट लेना आवश्यक है
+91-79-3010 1200, 3010 1008
+91-98250 66661

सीम्स अस्पताल: शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.

नागपुर में पहली बार मीनीमल इन्वेसीव कार्डियाक सर्जरी सीम्स अस्पताल की कार्डियाक सर्जरी टीम द्वारा की गई

ABVR अस्पताल, वर्धा, नागपुर द्वारा सीम्स अस्पताल की कार्डियाक सर्जरी टीम को मीक्स सर्जरी के लिये आमंत्रित किया गया था ।

- परंपरागत हृदय की सर्जरी में 8-9 इंच का चिरा कीया जाता है जब की मीक्स सर्जरी में सिर्फ 3-4 इंच का चिरा किया जाता है ।
- यह अस्पताल में मीक्स सर्जरी प्रथम बार की गइ थी । 3 मीक्स सर्जरी (एवीआर, एमवीआर और एएसडी क्लोझर) सफलतापुर्वक पुरी की वह बहुत उत्कृष्ट की बात है क्योकी इस प्रकार की सर्जरी बहुत दुर्लभ होती है ।
- यह एक गर्व की बात है की सीम्स अस्पताल की अग्रणी कार्डियाक टीम द्वारा मीक्स की शुरुआत सबसे पहले पश्चिम भारत में की थी ।

सीम्स कार्डियाक सर्जरी टीम

कार्डियाक सर्जन
डॉ. धीरेन शाह
डॉ. धवल नायक

कार्डियाक एनेस्थेटीस्ट
डॉ. निरेन भावसार
डॉ.हिरेन धोलकिया
डॉ. चिंतन शेठ

कार्डियाक पर्फ्युनिस्ट
डॉ. उल्हास पडियार
डॉ. धन्यता धोलकिया

सीम्स अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ और जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट सर्जन अब से राजस्थानमें निम्नलिखित स्थान पर परामर्श के लिये मिलेगें ।

डॉक्टर का नाम	दिन	समय	स्थान	अपोइन्टमेन्ट नंबर
डॉ. सत्य गुप्ता (हृदयरोग विशेषज्ञ)	तीसरे शनिवार	-	**जोधपुर और पाली**	+91-9879882909
	तीसरे रविवार	-	**सुमेरपुर,सीरोही और आबु रोड**	+91-9879882909
	चौथे रविवार	-	**भीनमाल, सांचोर और धानेरा**	+91-9879882909
डॉ. विनीत सांखला (हृदयरोग विशेषज्ञ)	चौथे रविवार	सुबह 9 से 12 बजे	देवधर डायग्नोस्टिक सेन्टर शास्त्रीनगर, **नीमच**	+91-9925015056
		दोपहर 3 से 5 बजे	चौधरी अस्पताल-11, सेक्टर-4, हीरन मगरी, **उदयपुर** ।	+91-9925015056
डॉ. कश्यप शेठ (बाल हृदयरोग विशेषज्ञ)	तीसरे बुधवार	सुबह 9 से 11 बजे	जीवन ज्योत अस्पातल 365, शीव कॉलोनी, सेक्टर-6 हीरन मगरी, **उदयपुर** ।	+91-9924612288
		सुबह 11 से 1 बजे	भंडारी चिल्ड्रन अस्पताल 90-एल रोड, भोपालपुरा, **उदयपुर**।	+91-9924612288
डॉ. धीरेन शाह (हृदय की बायपासके विशेषज्ञ)	चौथे शनिवार	सुबह 10 से 1 बजे	अमर आशिष अस्पताल दामीनी होटल के नजदीक, एम.बी. गर्वमेन्ट अस्पताल के सामने, **उदयपुर** ।	+91-9825108257 +91-9099066527
डॉ. अमिर संघवी डॉ. अतीत शर्मा (जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट विशेषज्ञ)	पहले शनिवार	सुबह 9 से 12 बजे	वसुंधरा अस्पताल, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, **जोधपुर** ।	+91-9099537491 +91-9824420220
		दोपहर 3 से 5 बजे	रोज़ अस्पताल, वुडलेन्ड होटल के पास, **पाली** ।	+91-9099537491 +91-9824420220
	तीसरे बुधवार	सुबह 9 से 1 बजे	जीवन ज्योत अस्पताल 365, शीव कॉलोनी, सेक्टर-6 हीरन मगरी, **उदयपुर** ।	+91-9099537491 +91-9824420220
डॉ. पुरव पटेल (दिमाग और स्पाइन सर्जरी के विशेषज्ञ)	तीसरे शनिवार	सुबह 8 से 12 बजे	वसुंधरा अस्पताल, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, **जोधपुर** ।	+91-9909989428
		दोपहर 4 से 6 बजे	रोज़ अस्पताल, वुडलेन्ड होटल के पास, **पाली** ।	+91-9909989428
डॉ. जयंत झाला (सर्जीकल गेस्ट्रोएन्ट्रोलोजी हीपेटोबीलीयरी और लेप्रोस्कोपी के विशेषज्ञ)	तीसरे शनिवार	सुबह 8 से 12 बजे	वसुंधरा अस्पताल, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, **जोधपुर** ।	+91-97129 97096
		दोपहर 4 से 6 बजे	रोज़ अस्पताल, वुडलेन्ड होटल के पास, **पाली** ।	+91-97129 97096
	तीसरे बुधवार	सुबह 9 से 1 बजे	जीवन ज्योत अस्पताल 365, शीव कॉलोनी, सेक्टर-6 हीरन मगरी, **उदयपुर** ।	+91-97129 97096

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 1st to 7th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2013-2015 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2015

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

CIMS

पीडियाट्रिक कार्डियोलोजी (बाल हृदयरोग विभाग)

CIMS Kids

- बच्चों की जन्मजात हृदय की बीमारी के लिये पीडियाट्रिक कार्डियोलोजी एवं सर्जरी की संपूर्ण टीम गुजरात में प्राइवेट अस्पताल में पहली बार ।
- अत्याधुनिक उपकरणो से सुसज्जित बाल हृदयरोग विभाग ।
- बच्चे और नवजात शिशु के हृदय संबंधित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज संभव ।

पीडियाट्रीक एम्ब्युलन्स के लिये कॉल करे

+91 98244 50000
+91 97234 50000

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।